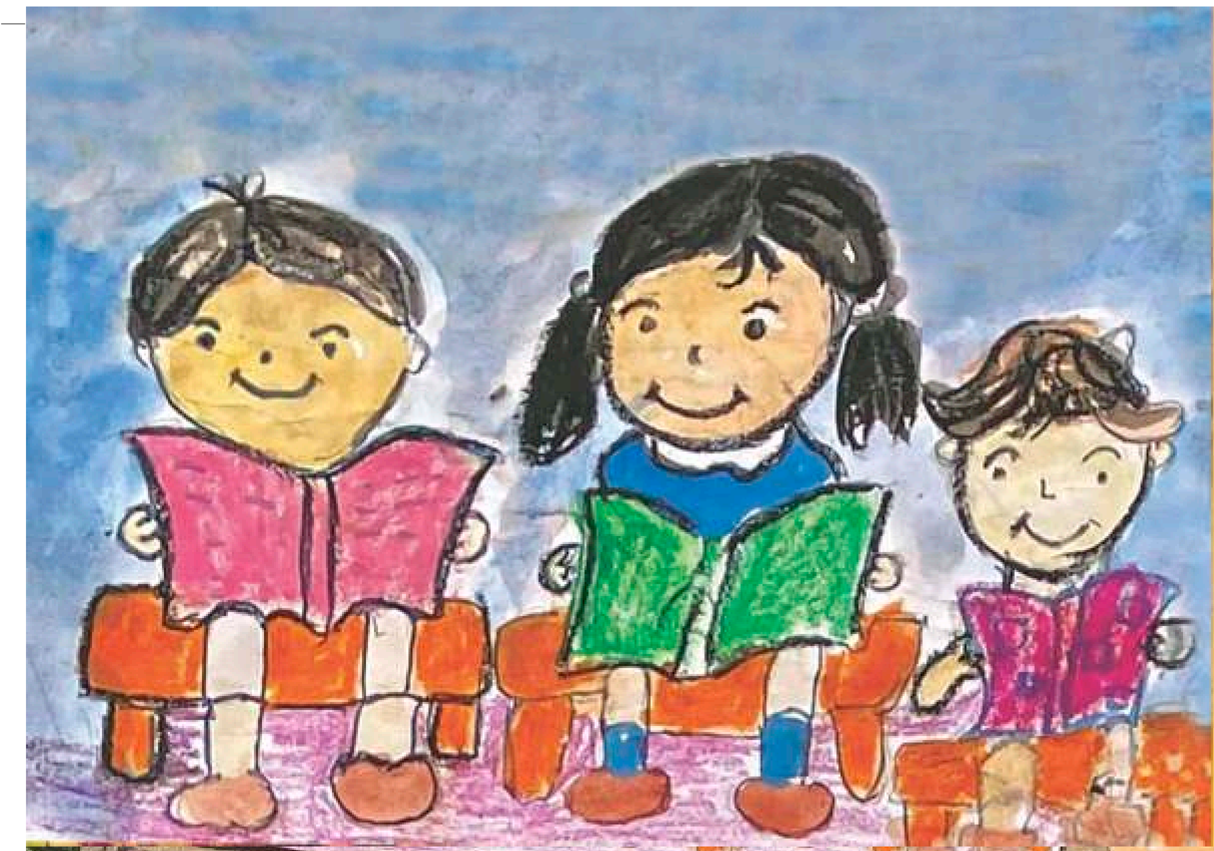

PARIVARTAN
परिवर्तन

TAKSHILA
तक्षशिला

चहकने की ललक

अंक – सताईस
अगस्त 2024 – नवम्बर 2024

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

प्यारे दोस्तों,

मैं हूं चहकने की ललक। इस अंक 27 में बाल लेखकों ने मेरे लिए मेरे बारे में बहुत अच्छा लिखा है कि मुझसे मिलने के बाद इन बाल लेखको में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखको ने मुझे खुद से तैयार किया है। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया था। जिसमें मेरे बाल लेखको ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया था। इस दरमियां उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचनाओं को लिखते रहे। आशा करती हूं कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है, जहाँ बच्चें अपनी कला को दिखाने की कोशिश करते हैं।

रेशमा परवीन वर्ग-5
गांव- मिया भटकन

विक्की कुमार, वर्ग-6, गांव- मिया भटकन

सालिनी कुमारी, वर्ग-4,
गांव- मिया भटकन

रेशमा खातुन, वर्ग-6, गांव- गोठी

बरसात

बरसात हमें बहुत सुंदर लगता है। बरसात में हमलोग छत पर चढ़कर भींगते हैं। बिजली चमकती है बादल गरजता है, बहुत डर लगता है। हमलोग चार-पाँच लड़की बारिश में नहाते हैं बहुत मजा आाता है बरसात में छतरी लेकर फोटो लेते है। छतरी इधर-उधर उड़ती रहती है बरसात में हवा तुफान चलती है डर भी लगता है लेकिन मजा भी आता है।

राधिका कुमारी, वर्ग-6, स्कूल- म. वि. गोठी

गुड़िया कुमारी, वर्ग-5
गांव- बाबू भटकन

प्रिय शिक्षक

हमारे स्कूल में 11 शिक्षक हैं। हमारे स्कूल में हर विषय की पढ़ाई होती है। हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, हमारी दुनिया, अतीत से वर्तमान, समाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन और गणित भी इन में से जो हमारे गणित के शिक्षक पढ़ाते हैं वही हमें अच्छे लगते हैं क्योंकि वे हमें अच्छे से समझाते, अच्छे से प्यार से बातें करते हैं उनका नाम पारस सर है। यही हमें बुक से बताते हैं मैं इनसे कई सवाल सिख चुकी हूँ सर, गणित और अंग्रेजी अच्छे से पढ़ाते हैं यह हमें बहुत अच्छे लगते हैं। सर हमलोग को मारते भी नहीं हैं।

शिखा कुमारी, वर्ग-6, स्कूल- म. वि. गोठी कन्या

खुशी खातुन, वर्ग-5
गांव- मिया भटकन

हमारे शिक्षक

हमारे स्कूल में 11 शिक्षक हैं। हमारे स्कूल में हर विषय की पढ़ाई होती है। हमारी पसंदीदा मैंडम अनीता मैम हैं वे हमें बहुत अच्छे से पढ़ाती हैं प्यार से बताती हैं हम कुछ गलती करते हैं तो हमें डाँट के समझाती हैं और मारती नहीं है अच्छा बात सिखाती है, पढ़ाई के संग और कैसे रहना है, कैसे बोलना ये भी सिखाती हैं। मुझे हिंदी पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। हमें अंग्रेजी नही पढ़ना आता है तो अनीता मैम सिखलाती हैं और English बोलना सिखाती हैं।

अंकिता कुमारी, वर्ग-6, स्कूल- म. वि. गोठी कन्या

प्रियम कुमार, वर्ग-5, गांव- मिया भटकन

आगामी थीम

सपना
सर्दी की रात
गेंहू का फसल
यू-ट्यूब

प्रिय शिक्षक

मेरे स्कूल में बहुत शिक्षक हैं पर मेरे श्रीराम सर बहुत अच्छे थे। वो कभी नहीं मारते या डांटते थे। वो हम सभी बच्चों को बहुत प्यार करते थे। पर अब वह स्कूल नहीं आते शायद वह अब नहीं हैं। उनको कोई बिमारी हो गया था इसलिए वो खतम हो गए, पर सर मुझे बहुत प्यार करते थे। वो मेरे फेवरेट सर थे।

निधि कुमारी, वर्ग-5, गाँव- धर्मपुर

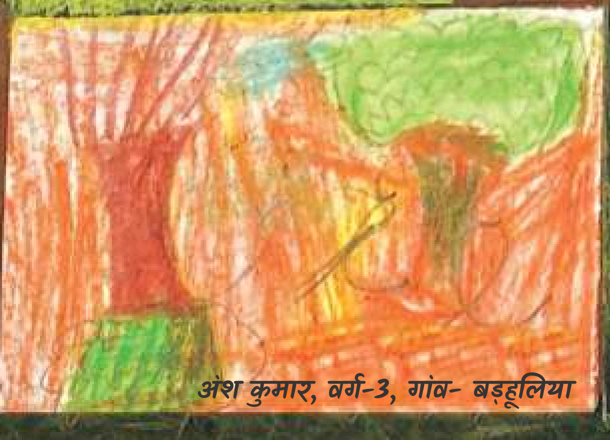

अंश कुमार, वर्ग-3, गांव- बड़हूलिया

मीना कुमारी, वर्ग-4, गांव- सिकिया

दीपिका कुमारी, वर्ग-8, गांव- सिकिया

बरसात

अंजली मेरी सबसे अच्छी दोस्त है बरसात हम दोनो को बहुत पसंद है। क्योंकि हमलोग बारिश में बहुत मस्ती करते हैं एक साथ सड़क पर नहाते हैं, दौड़ते हैं बहुत मजा आता है। लेकिन बरसात में बिजली गिरती है और आंधी तुफान आता है तो पेड़ भी गिर जाता है, जो पोल टुटा होता है उससे करंट भी मारता है इन सब से बहुत डर लगता है।

प्रिया कुमारी, उम्रः 9 वर्ष,
गाँव- बड़हूलिया

दोस्ती

मेरी दोस्त का नाम सोनम है। मैं अपने दोस्त से बहुत प्यार करती हूँ। क्योंकि वह मेरे लिए बहुत खास है। हमदोनो का घर पास-पास है। और स्कूल भी एक है। हम दोनों को कोई अलग नहीं कर सकता। जब सोनम को कोई मारता या डांट पड़ता है तो मुझे बहुत बुरा लगता है। फिर मैं उसे समझाती हूँ। उसका बाल बड़ा-बड़ा है। मैं उसमें फूल लगाती हूँ और खूब खेलती हूँ।

रंजीता कुमारी, वर्ग-4, गाँव- धर्मपुर

प्रिंस कुमार, वर्ग-4, गांव- नरेन्द्रपुर

दोस्त के लिए गाना

तेरे जैसा यार कहाँ, कहाँ ऐसा याराना
याद करेगी ये दुनिया तेरा-मेरा अफसाना
मेरी जिंदगी संवारी, मुझको गले लगाके
बैठा दिया फलक पे मुझे ख्वाब से उठाके
यारा तेरी यारी को मैंने तो खुदा माना
याद करेगी दुनिया तेरा मेरा अफसाना
मेरे दिल की ये दुआ है कभी दूर तु न जाए
तेरे बिना हो जीना वो दिन कभी न आए
तेरे संग जीना यहाँ तेरे संग मर जाना
याद करेगी दुनिया तेरा मेरा अफसाना

शुभम कुमार, वर्ग-6, वि.- म. वि. गोठी कन्या

निक्की कुमारी, वर्ग-6, गांव- सिकिया

परी कुमारी, वर्ग-3, गांव- खेम भटकन

दोस्ती

मुझे दोस्ती करना बहुत पसंद है, जिसके साथ मैं खेल सकू, घूम सकू उसको परेशान कर सकू पर मुझसे कोई दोस्ती ही नहीं करता है। सब मुझे झगराइन कहते है। पर मैं झगड़ा नहीं करती हूँ। हाँ कभी-कभी गुस्सा आ जाता है या खीस पड़ता है तो गाली दे देती हूँ।

सिब्रा, वर्ग-5, गाँव-मियां के भटकन

अंशिका कुमारी, वर्ग-4, गांव- खेम भटकन

पहेलियाँ

1. दिन में पौधे मुझे बनाते अब बताओ मेरा नाम
2. ऊँट की बैठक हिरण की चाल वह कौन सा जानवर जिसके दुम में ना बाल
3. नदी हूँ पर पानी नहीं, सड़क हूँ पर गाड़ी नहीं, भूमि हूँ पर फसल नही बस्ती (गाँव) हूँ पर घर नही।
4. ऐसा लिखिए शब्द बनाकर, फल, फूल और मिठाई बन जाए।

सोनी कुमारी, वर्ग-6,
स्कूल- म. वि. गोठी कन्या

उत्तर 1.ऑक्सीजन, 2.मेंढक, 3.पतंग 4.गुलाब जामुन

निशा कुमारी, वर्ग-6, गांव- सिकिया

बरसात

बरसात हमें बहुत अच्छा लगता है। हम बारिश में खुब नहाते हैं, बारिश में हमलोग छाता से दुकान जाते हैं। बिजली चमकता है और जब बिजली चमकता है तो बहुत डर लगता है जब हमलोग स्कूल जाते हैं तो छाता ले जाते हैं क्योंकि कभी भी बारिश आ सकती है। बरसात में आँधी-तुफान चलता है, ठण्डा भी लगता है और बरसात में पकौड़े खाने में मजा आता है। बारिश के दिनों में बिजली के खम्भो के पास नही रहना चाहिए क्योंकि वो कभी भी गिर सकता है। चारो तरफ हरा-भरा रहता है।

राजनंदनी कुमारी, वर्ग-6,
स्कूल- म. वि. गोठी

गुंजा कुमारी, वर्ग-4, गांव- नरेन्द्रपुर

चुटकुले

टीचरः बिजली कहाँ से आती है?
चिंटूः सर, मामाजी के यहाँ से।
टीचरः वो कैसे?
चिंटूः जब भी बिजली जाती है पापा कहते है, सालों ने फिर बिजली काट दी।

रामः मैंने साबुन से अपना शर्ट धोया। और अब वह मुझसे छोटा हो गया है।
श्यामः तुम भी उसी साबुन से नहा लो, फिर वह शर्ट तुम्हे फिट हो जाएगा।

अभय कुमार, वर्गः 6, गाँव- मियां के भटकन

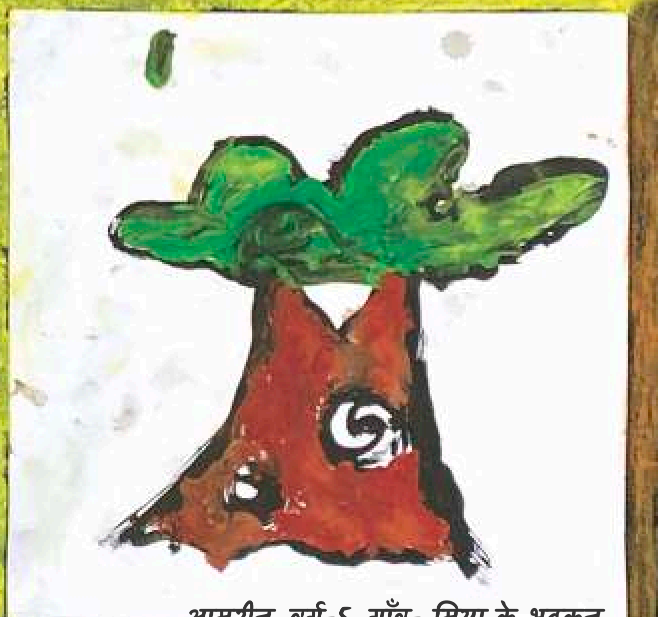

आमरीन, वर्ग-5, गाँव- मिया के भटकन

पहेलियाँ

1. बिना सड़क के चलते है
   बहुत कड़क के चलते है
   रहो के गुच्छे से बड़े-बड़े
   जिसमें रखे कई घड़े।
2. क्या है जिसके दाँत तो होते है
   लेकिन काटती नही।
3. क्या है जो अंधेरा बढ़ाने पर
   ज्यादा अच्छे से दिखते है
4. रिश्ता इनका इतना गहरा
   एक जाए तो दुजा रहे ठहरा

सृष्टि कुमारी, वर्ग-7,
गाँव- भवराजपुर

उत्तर- 1.आँसू 2.मक्का,
3.नागमणि, 4.दिन-रात

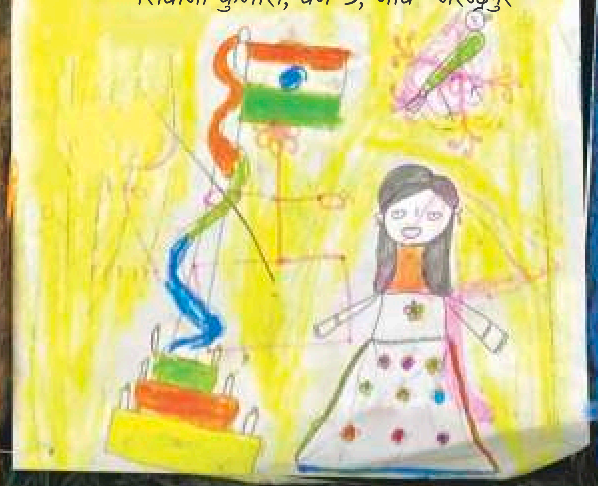

शिवानी कुमारी, वर्ग-3, गांव- नरेन्द्रपुर

किताब

मुझे किताब पढ़ना पसंद है, पर स्कूल का नहीं, मुझे कहानी का किताब पढ़ना पसंद है, पर मेरे घरवाले कहते है कि कहानी के किताब पढ़ने से मैं परीक्षा में फेल हो जाऊंगा और गरीब बन जाऊँगा, मैं फिर भी कहानी का किताब पढ़ता हूँ और अपने फोन में कहानी का विडिओ देखता हूँ। किताब एक बहुत अच्छी चीज है।

अमन कुमार, वर्ग-7,
गाँव- मियां के भटकन

किताब

मैं पुस्तकालय आता हूँ और मुझे पुस्तकालय में किताब पढ़ना अच्छा लगता है सबसे अच्छा मुझे लोट-पोट पढ़ने में लगता है वह मैं बहुत पढ़ता हूँ मानो उसे पढ़कर मजा ही आ जाता है। वैसे उसमें बहुत सारी कहानियाँ है लेकिन उसमे मुझे मोटू-पतलू बहुत अच्छा लगता है। जिसे पढ़कर मैं बहुत हँसता हूँ पढ़ने के बाद आनंद ही आ जाता है।

समर दूबे, वर्ग-7, गाँव- नरेन्द्रपुर